Azadi Ka Amrit Mahotsav

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

विद्या-धारा

केंद्रीय विद्यालय महबूबाबाद

KENDRIYA VIDYALAYA MAHABUBABAD

2024-25

हमारे मुख्य मार्गदर्शक

डॉ. डी. मन्जुनाथ

उपायुक्त केन्द्रीय विद्यालय संगठन - हैदराबाद संभाग

श्रीमती जी. कृष्णवेणी

सहायक आयुक्त केन्द्रीय विद्यालय संगठन - हैदराबाद संभाग

SH.MUKESH KUMAR
Principal I/C Desk

संदेश / Message

शिक्षा एक आजीवन सीखने की प्रक्रिया है और इसलिए हमारा मिशन हमारे विद्यार्थियों को शिक्षार्थी के रूप में सीखने का माहौल प्रदान करना है। एक बच्चा स्वाभाविक रूप से सीखने वाला होता है, इसलिए उसे अपने आस-पास की दुनिया को खुशी-खुशी तलाशना चाहिए और उसके साथ सामंजस्य बिठाना चाहिए। ई-पत्रिका 2024 के विमोचन की घोषणा करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। ई-पत्रिका विद्यालय में आयोजित बहुमुखी गतिविधियों की उभरती प्रतिभाओं की झलक दिखाती है। यह पत्रिका विद्यार्थियों के रचनात्मक साहित्यिक कार्यों को प्रोत्साहित करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करती है और हमारे शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभा को बाहर लाने, उनकी क्षमता और उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों को दर्शाती है। मैं अपने सभी प्राथमिक शिक्षकों और नन्हे-मुन्नों को इस समाचार पत्र को वास्तविकता में लाने के उनके प्रयासों के लिए अपना आशीर्वाद देता हूँ। आने वाले वर्ष आप सभी के लिए सफलता, अच्छा स्वास्थ्य और खुशियाँ लेकर आएँ। भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएँ।

Education is a lifelong learning process and our mission therefore is to provide a Learning Environment to our students as learners. A child being a natural learner should be engaged in joyfully exploring the world around him and harmonizing with it. It gives me immense pleasure in announcing the release of E-Magazine 2024. The E- Magazine showcases the glimpses of the budding talents of multifaceted activities organized in the Vidyalaya. The magazine offers an excellent platform to encourage the creative literary work of students and reflects the various activities taken by our teachers and students to bring out the talent, exhibit their potential and achievements. I extend my blessings to all my primary teachers and Tiny Tots for their efforts made in bringing this News letter to reality. May the years to come bring you all success, good health and happiness. My Best wishes for future endeavors.

PRINCIPAL I/C

अध्ययन / पठन की आदत का विकास :-

अध्ययन शब्दों के अर्थ को समझने की सक्रिय प्रक्रिया है।

अध्ययन का उद्देश्य :-

i. सूचना प्राप्त करना
ii. आनंद प्राप्त करना

अध्ययन का महत्व :-

i. संज्ञानात्मक विकास
ii. सृजनात्मकता में वृद्धि
iii. व्यक्तित्व विकास में सहायक
iv. शब्द भंडार में विस्तार
v. विश्लेषणात्मक क्षमता का विकास
vi. मस्तिष्क का व्यायाम
vii. लेखनशैली में सुधार
viii. शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार
ix. आत्मविश्वास में बढ़ोतरी
x. ज्ञान में वृद्धि
xi. एकाग्रता में सुधार
xii. सकारात्मक जीवनशैली
xiii. कल्पनाशक्ति का विकास
xiv. तनाव कम करने में फायदे मंद
xv. बेहतर संवाद कौशल

सतीश कुमार चौधरी
पुस्तकालय अध्यक्ष

स्वागत गीत

पुलकित मन पुलकित घर आंगन मन भावन शुभ बेला है ,2 time

हे पावन पथ पर आगामी 2, अतिथि के लिए मेला है ॥

पुलकित मन .....

1. धन्यभाग जो आप पधारे, जाग उठे सौभाग्य हमारे,

शुभ आगमन से तन मन हर्षा, 2 time, यह क्षण भी अलबेला है ।

2. सतत निरंतर सुखदायक हो, हम सब के जीवन का सार,

दो आशीष हमें शुचि मन से ,2 times, जीवन अभी नवेला है ।।

पुलकित मन .....

गीत रचयिता

गिरिधर गोपाल शुक्ल

प्राथमिक शिक्षक संगीत

Local Rootedness: Roots of Glory

My name is Tanzin Dolma, I am from Lahaul and Spiti, the largest and least populated district of Himachal Pradesh. Lahaul-Spiti is more than just a region; it is a legacy of resilience, spirituality, and breath-taking beauty. Nestled in the lap of the Himalayas, it stands as a testament to the strength and perseverance of its people, who have thrived in some of the harshest conditions while preserving their rich culture and traditions.

Our roots are embedded in the wisdom of our ancestors, the serenity of our monasteries, and the unity of our communities. The festivals, the folk tales, and the deep respect for nature make Lahaul-Spiti not just a place on the map but a feeling of belonging and pride.

From the towering peaks of Kunzum Pass to the tranquil beauty of Chandratal (moon lake),Hikkim Post Office (highest post office in the world), Tabo Monastery ("Ajanta of Himalayas"founded in 996 AD is one of the oldest and most significant Buddhist monasteries in India, located in the Spitivalley.Tabo monastery is renowned for its murals, frescoes, and stucco sculptures that reflect a blend of Indian and Tibetan artistic styles) from the sacred chants in Key Monastery to the vibrant celebrations of Lossar,Halda and Fagli, every moment here echoes the roots of glory.

Being a Lahaul-Spitian is not just about where we come from; it's about carrying the spirit of the mountains, the warmth of our culture, and the pride of our heritage—wherever we go.

Roots of glory, wings of ambition—always proud to be a Lahaul-Spitian!

Smt. Tanzin Dolma

TGT English

21 वीं सदी के आवश्यक कौशल :-

21 वीं सदी तकनीक, विज्ञान का युग है। कौशल का अर्थ है किसी कार्य को सही, सटीक, प्रभावी और दक्षता के साथ करने की क्षमता या योग्यता । यह क्षमता अभ्यास, प्रशिक्षण और अनुभव और ज्ञान के प्रति रुचि से विकसित होती है |

कौशल को अंग्रेजी में Skill कहते हैं जिसका मतलब होता है-practiced ability.

कौशल कई प्रकार के हैं-

① **तकनीकी कौशल :-**

किसी विशेष तकनीक या कार्य से संबंधित क्षमता।

उदाहरण कम्प्यूटर चलाना, मशीन चलाना, कोडिंग करना ।

② **सॉफ्ट स्किल्स:-**

व्यवहार, संचार और सामाजिक क्षमताएँ।

③ **संज्ञानात्मक कौशल:-**

सोचने, समझने, निर्णय लेने और सीखने की क्षमता।

④ व्यक्तिगत कौशल :-

आत्म प्रबंधन से जुड़ी क्षमताएँ ।

उदाहरण:- समय प्रबंधन, आत्म नियंत्रण, आत्म प्रेरणा ।

⑤ मोटर कौशल (Motor skills): -

शरीर की मांसपेशियों से संबंधित गतिविधियों में दक्षता ।

उदाहरण:-दौड़ना, लिखना, चित्र बनाना

21 की सदी कौशल :-

कौशल केवल ज्ञान नहीं, बल्कि उस ज्ञान की प्रयोग में लाने की क्षमता है। यह आधुनिक जीवन, शिक्षा, करियर और व्यक्तिगत विकास "में अनिवार्य तत्व है।

21 वीं सदी के कौशल वे क्षमताएँ और योग्यताएं है जो आज के तेजी से बदलते, तकनीकी और वैश्विक युग में सफलता पाने के लिए जरूरी मानी जाती हैं। ये कौशल विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों और नागरिकों को समस्या समाधान, संचार करने निर्णय लेने और नवाचार करने में सक्षम बनाते हैं।

21 वीं सदी के कौशल वे हैं जो व्यक्ति की वर्तमान समय की जटिलताओं, तकनीकी प्रगति और सामाजिक बदलावों के साथ प्रभावी ढंग से तालमेल बिठाने में मदद करे।

प्रमुख 21 वीं सदी के प्रमुख कौशल:-

① आलोचनात्मक सोच :-

- ❖ तर्क के साथ सोचना
- ❖ समस्याओं का विश्लेषण करना और उनका समाधान खोजना
- ❖ साक्ष्यों के आधार पर निर्णय लेना।

② रचनात्मकता :-

- ❖ Innovative विचार उत्पन्न करना ।
- ❖ कल्पना शक्ति का प्रयोग करना

③ संचार कौशल :-

- ❖ विचारों की प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना ।
- ❖ डिजिटल और सामाजिक संचार माध्यमों का उपयोग करना।
- ❖ विचारों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना।

④ सहयोग

- ❖ टीम वर्क
- ❖ विचारों का आदान-प्रदान
- ❖ विविध पृष्ठभूमियों के साथ काम करना।

⑤ तकनीकी कौशल

- ❖ कम्प्यूटर साक्षरता
- ❖ इंटरनेट व सोशल मीडिया का जिम्मेदारी से प्रयोग
- ❖ डेटा विश्लेषण, AI, कोडिंग जैसे उभरने क्षेत्रों की समझ ।

⑥ **तनाव प्रबंधन**

- ❖ 21 वी सदी में तकनीक व विज्ञान खूब प्रगति में कर रहे है लेकिन मनुष्य तनावग्रस्त, परेशान भी होता जा रहा है ऐसे में तनाव प्रबंधन आज के युग की सबसे महत्वपूर्ण जरूरतों में से एक है।
- ❖ तनाव प्रबंधन के लिए ध्यान, योग, व्यायाम, समय प्रबंधन, संवाद , रचनात्मकता, अच्छी नींद व खानपान, प्रकृति पेड़-पौधों के साथ समय गुजारना तथा थोड़े समय के लिए मोबाइल व कम्प्यूटर से दूर रहना है।
- ❖ 21 वीं सदी में सिर्फ डिग्री नहीं, बल्कि कौशल जरती हैं। जो व्यक्ति सोच सकता है, सीख सकता है, साझा कर सकता है, नवाचार कर सकता है, सभी के साथ तालमेल बैठाकर काम कर सकता है वही सफल है।

सतीश कुमार चौधरी
पुस्तकालयाध्यक्ष

संस्कृत भाषा का महत्व

संस्कृत भाषा भारत की प्राचीनतम और सबसेमहत्वपूर्णभाषाओंमेंसेएक है, जो ज्ञान, संस्कृति और साहित्य का भंडार है, साथ ही यह भारतीय भाषाओंकी जननी भी है। संस्कृत भाषा के महत्व के कुछ बिंदु इस प्रकार हैं:

प्राचीन ज्ञान का स्रोत: संस्कृत में वेद, उपनिषद्, पुराण, रामायण, महाभारत जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक और साहित्यक ग्रंथ रखे गए हैं, जो भारतीय ज्ञान और संस्कृति का आधार हैं।

भारतीय भाषाओंकी जननी: संस्कृत से ही कई भारतीय भाषाएँ विकसित हुई हैं, इसलिए यह भारतीय भाषाओं में एक महत्वपूर्ण भाषा है।

साहित्यक और कला का माध्यम: संस्कृत साहित्य में उत्कृष्ट रचनाएँ हैं, जिनमे नाटक, कविता, व्याकरण, दर्शन, विज्ञान आदि शामिल हैं।

वैदिक संस्कृति का प्रतीक: संस्कृत वैदिक संस्कृति का प्रतीक है और भारतीय संस्कृति को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

ज्ञान और विज्ञान का **माध्यम:** संस्कृत ने ज्ञान और विज्ञान के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया गया है, और यह भाषा इन क्षेत्रों में प्रगती को बढावा देती है। भारतीय एकता को मजबूत करती है

जितेंदर बाग
टी जी टी संस्कृत

शिक्षा का महत्व – बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कुंजी

बच्चों, शिक्षा केवल किताबों में लिखे शब्दों को याद करना नहीं है, बल्कि यह जीवन को सही दिशा में आगे बढ़ाने का सबसे महत्वपूर्ण साधन है। शिक्षा हमें केवल पढ़ने-लिखने की योग्यता ही नहीं देती, बल्कि यह हमें अच्छा इंसान बनने, सही और गलत में फर्क समझने तथा अपने जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता करती है।

आज के युग में शिक्षा का महत्व पहले से भी अधिक बढ़ गया है। यह हमें आत्मनिर्भर बनाती है, हमारे आत्मविश्वास को बढ़ाती है और हमें अपने सपनों को साकार करने का अवसर देती है। शिक्षित व्यक्ति अपने परिवार, समाज और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

हमारे देश के महान नेता महात्मा गांधी जी ने कहा था, "शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि चरित्र का निर्माण करना भी है।" इसलिए हमें केवल किताबों की पढ़ाई तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि नैतिक मूल्यों, अनुशासन और अच्छे संस्कारों को भी अपनाना चाहिए।

प्यारे बच्चों, शिक्षा के महत्व को समझें और अपने विद्यालय में मन लगाकर पढ़ाई करें। अपने माता-पिता और शिक्षकों का सम्मान करें और हमेशा अच्छे कार्यों में आगे बढ़ें। आप ही देश का भविष्य हैं, और आपकी मेहनत से ही हमारा भारत समृद्ध और शक्तिशाली बनेगा।

"शिक्षा की ज्योति जलाएं, जीवन को रोशन बनाएं!"

धन्यवाद!

रीतेश कुमार मौर्य

टी जी टी वर्क एक्सपीरियंस

गणित गतिविधियाँ

Angles
Straight angle

3D shapes

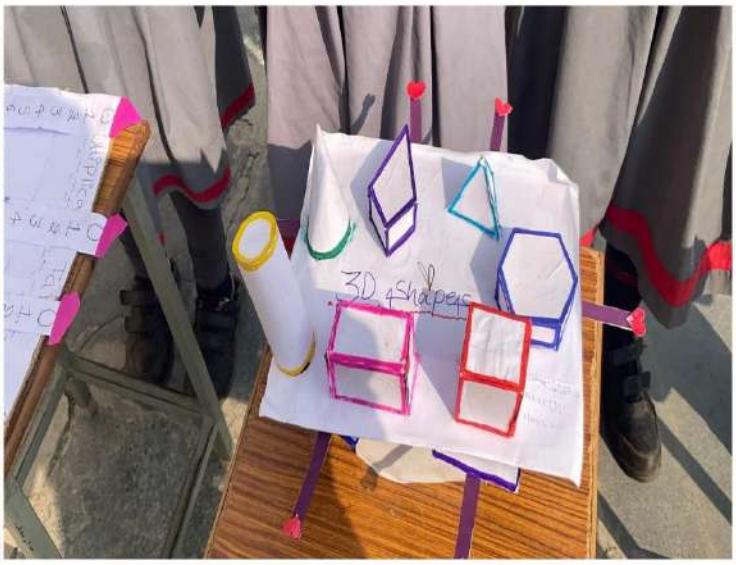

केन्द्रीय विद्यालय संगठन
(Autonomous Body Under Ministry of Education, Govt. of India)
Nandamuri Nagar Colony, SC Girls 'B' Hostel,
Mahabubabad, Telangana - 506101

पठन गतिविधियाँ

समाचार पत्र की कटिंग

टाइम्स ऑफ वॉर्धा-महबूबाबाद जिला संवाददाता

केंद्रीय विद्यालय महबुबाबाद के प्रभारी प्राचार्य मुकेश कुमार ने छात्रों से कहा कि महबुबाबाद के छात्रों में तार्किक सोच विकसित कर शोध करने के लिए प्रेरित किया जायेगा. राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के पूर्व समारोह के हिस्से के रूप में गुरुवार को एक विज्ञान फोटो प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सर सी.वी. रमन के चित्र पर पुष्प अर्पित किये गये। इसके बाद सर सी.वी. रमन ने कहा कि भारत में हर साल 28 फरवरी को विज्ञान दिवस मनाना बहुत प्रेरणादायक है क्योंकि रमन ने 28 फरवरी, 1928 को रमन प्रभाव की खोज

विद्यार्थियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए

महबुबाबाद जिला तेलंगाना सेना फरवरी: छात्र तार्किक सोच

केंद्रीय विद्यालय महबुबाबाद के प्रभारी प्राचार्य मुकेश कुमार ने छात्रों से कहा कि उन्हें पोषित कर शोध करने के लिए प्रेरित किया जायेगा. राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के पूर्व समारोह के हिस्से के रूप में गुरुवार को एक विज्ञान फोटो प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सर सी.वी. रमन के चित्र पर पुष्प अर्पित किये गये। इसके बाद सर सी.वी. रमन ने कहा कि भारत में हर साल 28 फरवरी को विज्ञान दिवस मनाना बहुत प्रेरणादायक है क्योंकि रमन ने 28 फरवरी, 1928 को रमन प्रभाव की खोज की थी। उन्होंने कहा, युवा वैज्ञानिक तब बनते हैं जब शिक्षक और माता-पिता छात्रों को वैज्ञानिक सोच रखने और प्रयोगशाला में समय बिताने का अवसर प्रदान करते हैं। इस कार्यक्रम में शिक्षक विज्ञान शिक्षक इमामुदीन, [illegible] रितेश तपस्वी मिज[illegible], मोसिन बेग समेत अन्य ने भाग लिया।

अंधप्रभा

वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए

प्रिंसिपल, शिक्षक श्रद्धांजलि देते

महबुबाबाद टाउन, 27 फरवरी (आंध्र प्रभा): उपस्थित हुए महबुबाबाद सेंट्रल स्कूल के प्रभारी प्राचार्य मुकेश कुमार ने कहा कि समाज में प्रतिस्पर्धा के लिए विद्यार्थियों को मंच से वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए. कहा। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के पूर्व समारोह के तहत गुरुवार को सर सीवी रमन के चित्र पर माल्यार्पण कर एक फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। प्रिंसिपल ने कहा सर सी.वी. 28 फरवरी 1928 को रमन द्वारा की गई रमन प्रभाव की खोज के बारे में बताते हुए कहा गया कि हर साल 28 फरवरी को भारत में विज्ञान दिवस मनाया जाना बहुत प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि युवा वैज्ञानिक तभी बनेंगे जब शिक्षक और अभिभावक छात्रों को वैज्ञानिक तरीके से सोचने और अपना सारा समय प्रयोगशाला में बिताने का अवसर प्रदान करेंगे। इस कार्यक्रम में उपाध्याय युलु इमामुद्दीन, भास्कर, रितेश तपस्वी, मोसिन और अन्य ने भाग लिया।

28/02/2025 | [illegible] | [illegible]: 10
स्रोत: https://epaper.prabhanews.com

विज्ञान गतिविधियाँ

केंद्रीय विद्यालय महबूबाबाद
KENDRIYA VIDYALAYA MAHABUBABAD

केंद्रीय विद्यालय महबूबाबाद
KENDRIYA VIDYALAYA MAHABUBABAD

केंद्रीय विद्यालय महबूबाबाद
KENDRIYA VIDYALAYA MAHABUBABAD

KENDRIYA VIDYALAYA MAHABUBABAD

10 दिन की बैगलेस गतिविधियाँ

केंद्रीय विद्यालय महबूबाबाद
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एवं स्वायत्त निकाय)
नंदामूरी नगर कॉलोनी, अनुसूचित जाति छात्रा, छात्रावास(बी),
महबूबाबाद, तेलंगाना - 506101
KENDRIYA VIDYALAYA MAHABUBABAD
(Autonomous Body Under Ministry of Education, Govt. of India)
Nandamuri Nagar Colony, SC Girls 'B' Hostel,
Mahabubabad, Telangana - 506101
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केन्द्रीय विद्यालय संगठन
केन्द्रीय विद्यालय महबूबाबाद
KENDRIYA VIDYALAYA MAHABUBABAD

KENDRIYA VIDYALAYA MAHABUBABAD
(Autonomous Body Under Ministry of Education, Govt. of India)
Nandamuri Nagar Colony, SC Girls 'B' Hostel,
Mahabubabad, Telangana - 506101

केंद्रीय विद्यालय महबूबाबाद
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एवं स्वायत्त निकाय)
नंदामूरी नगर कॉलोनी, अनुसूचित जाति छात्रा, छात्रावास(बी),
महबूबाबाद, तेलंगाना - 506101
KENDRIYA VIDYALAYA MAHABUBABAD
(Autonomous Body Under Ministry of Education, Govt. of India)
Nandamuri Nagar Colony, SC Girls 'B' Hostel,
Mahabubabad, Telangana - 506101
केन्द्रीय विद्यालय संगठन
10 BAGLESS DAYS
Under PVEP Based on NEP 2020
IMPLEMENTATION IDEAS

परीक्षा पे चर्चा - 2024

महिला दिवस - समारोह

वार्षिक खेल दिवस - 2024

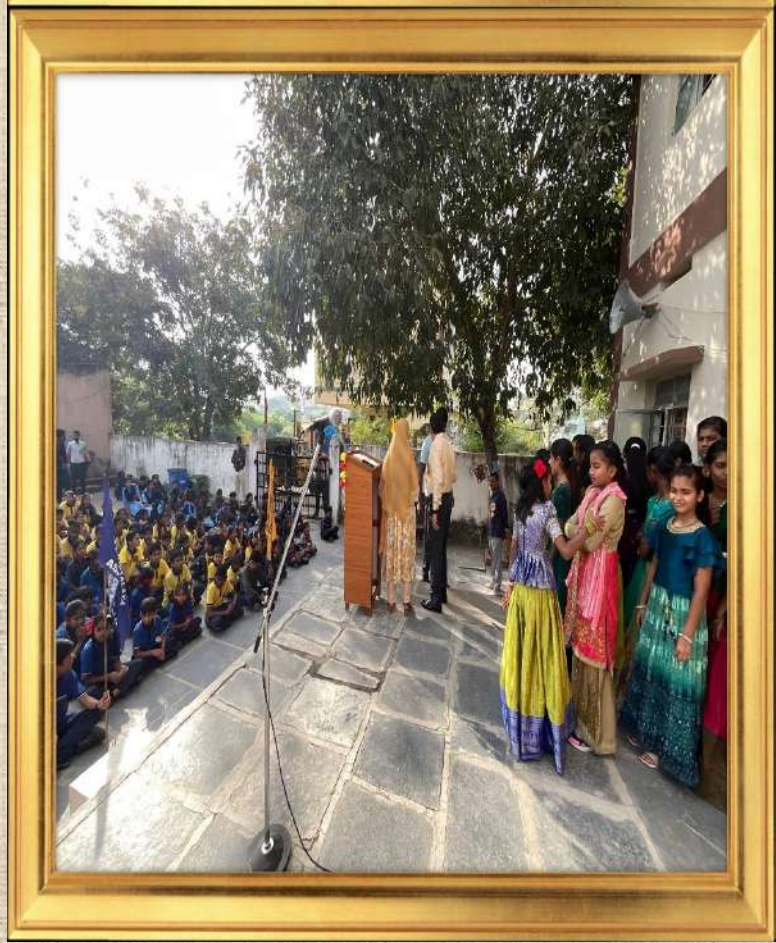

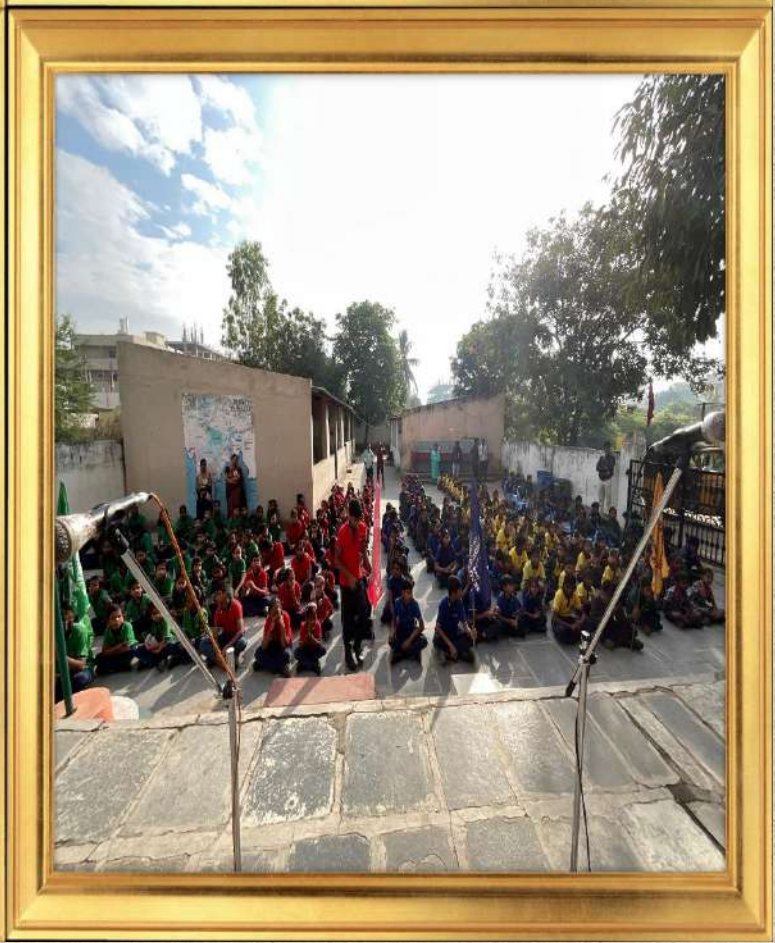

पी टी एस एम (अभिभावक शिक्षक छात्र बैठक)

सामाजिक गतिविधियां

केंद्रीय विद्यालय महबूबाबाद
KENDRIYA VIDYALAYA MAHABUBABAD
केंद्रीय विद्यालय महबूबाबाद
KENDRIYA VIDYALAYA MAHABUBABAD

स्काउट्स और गाइड्स गतिविधियाँ

पराक्रम दिवस

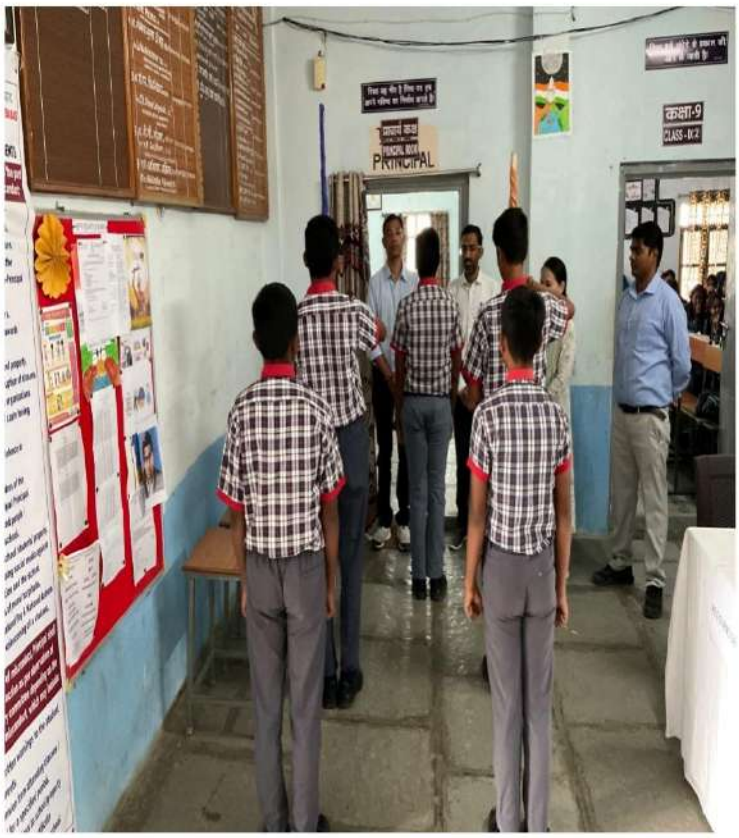

गणतंत्र दिवस

केंद्रीय विद्यालय महबूबाबाद
KENDRIYA VIDYALAYA MAHABUBABAD
KENDRIYA VIDYALAYA MAHABUBABAD

विश्व चिंतन दिवस

महबूबाबाद, तेलंगाना - 506101
KENDRIYA VIDYALAYA MAHABUBABAD
(Autonomous Body Under Ministry of Education, Govt. of India)
Nandamuri Nagar Colony, SC Girls 'B' Hostel,
Mahabubabad, Telangana - 506101
केन्द्रीय विद्यालय संगठन
100 दिवसीय क्षय रोग उन्मूलन
अभियान
100 DAYS INTENSIFIED CAMPAIGN
ON TB ELIMINATION
DATE:07-12-2024 TO 24-03-2025

प्राथमिक स्वास्थ्य जांच

लक्ष्मी चंद के बारे में

लक्ष्मी चंद, एक प्रसिद्ध हरियाणवी गायक और संगीतकार, हरियाणा से थे। उनका जन्म 1901 में हरियाणा के सोनीपत जिले के एक गाँव जाटी कलाँ में हुआ था। उन्हें सांग और रागनी की हरियाणवी लोक संगीत शैली में उनके योगदान के लिए जाना जाता था, और विकिपीडिया के अनुसार उन्हें हरियाणवी संगीत का 'सूर्य कवि' माना जाता है।

पंडित लक्ष्मी चंद हरियाणवी संगीत में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति थे, और उनके गीत आज भी व्यापक रूप से गाए जाते हैं। उन्हें उनकी रचना "लक्ष्मी चंद का ब्रह्मज्ञान" के लिए भी जाना जाता है।

भव्या श्री, कक्षा 10

नाम : नमन शिवा राम

बांसुरी

बांसुरी का उपयोग प्राचीन काल से ही संगीत और धार्मिक आयोजनों मे किया जाता रहा है। इसे अक्सर लोक संगीत, शादियों और धार्मिक समारोहों बजाया जाता था। बाद मे, 20वीं शताब्दी मे, पन्नालाल घोष जैसे कलाकारों ने बांसुरी को भारतीय शास्त्रीय संगीत मे शामिल किया और इसे एक प्रमुख वाद्य यंत्र के रूप मे स्थापित किया। आज, बांसुरी को भारतीय शास्त्रीय संगीत में (में) तबला और तानपुरा के साथ सुना जाता है

बांसुरी का इतिहास काफी समृद्ध है। इसमे विभिन्न सामग्रियों जैसे कि धातु, लकडी और बांस का उपयोग किया गया है। बांसुरी दो प्रकार की होती है: उत्तर भारतीय और दक्षिन भारतीय। उत्तर भारतीय बांसुरी का उपयोग शास्त्रीय और लोक भारतीय संगीत मे किया जाता है, जबकि दक्षिण भारतीय बांसुरी का उपयोग कर्नाटक संगीत मे किया जाता है।

बांसुरी का उपयोग विभिन्न संस्कृतियों मे किया गया है। चीन, दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका, और अन्य जगहों पर बांसुरी को अलग तरीको से बजाया जाता है। कुछ बांसुरी खडी होती है कुछ क्षैतिज, और कुछ में किनारे पर एक पायदान होता है।

कक्षा = दसवी
Class : 10th RG

नमन शिव राम, कक्षा 10

हाल ही में पढे एक पुस्तक के बारे में लिखिए -

अपनी गर्मी की छुट्टियाँ में मैंने कुछ भगवद गीता पढ़ी थी। भगवद गीता में अर्जुन और कृष्ण के बीच बातचीत है। भगवद क) भगवान कृष्ण ने कुरुक्षेत्र युद्ध में अर्जुन को ये सब बताते हैं। इस पुस्तक में 700 श्लोक हैं। भगवद गीता एक व्यक्ति के लिए जीवन जीने का तरीका है। हम भगवद गीता से बहुत कुछ सीख सकते हैं। भगवान कृष्ण बहुत कुछ बातें कहते हैं जैसे अपना कर्तव्य करो, मन पर नियंत्रण रखो, हर चीज किसी कारण से होती है, सब कुछ अस्थायी है, इत्यादि। सभी को इस पुस्तक के बारे में जानना चाहिए। प्रत्येक समस्या के लिए इस पुस्तक में एक समाधान होता है। यह एक बहुत अच्छी पुस्तक है।

नाम - आर. संजुथा
कक्षा - 10

आर संजुथा, कक्षा 10

मृदा स्वास्थ्य परीक्षण

जल संरक्षण जागरूकता अभियान

Social studies is a rollercoaster journey through this rollercoaster we can explore Present past and future

As we all know our emblem sarnath lion capital has 4 roaring lions in the same way our mysterious subject share 4 core parts

History with story's Geography demonstrates depths of earth !!polity politely speaks about rules and laws, Economy makes us understand tactics of trade

Unitedly four core subjects make our beautiful book social studies

When we hear the word history children's heart will skip the beat but history gives an opportunity to meet lot of mighty kings, brainly tactics mystical wars!!

Now it's turns of polity to say all the pretty students politely about the power to punch out all the unlawful activities!!! Here we go 👊!!Now let's move our eyes to see deep down into the earth to understand layers of earth and raise our head with pride to see layers of atmosphere

It's time to make trade tactics!!! It's ECONOMY which will say how to double our income!!

So finally, social studies are giving all the supernatural powers to all the naughty students to say social is not scary subject it's super subject

Ms. Yaseen Kousar

TGT SST

Artificial Intelligence: Shaping Tomorrow's World Today

Once considered a concept of science fiction, **Artificial Intelligence (AI)** is now a defining force of the 21st century. From voice assistants that manage our daily schedules to self-driving cars that navigate city streets, AI is no longer an abstract idea—it's the engine driving innovation in nearly every field.

Artificial Intelligence : Artificial Intelligence refers to machines that can mimic human intelligence. This includes tasks like learning from experience (machine learning), understanding language (natural language processing), recognizing images or speech, and even making complex decisions. In simple terms, AI allows computers to think, act, and learn—just like humans, but often faster and more accurately.

A Brief Journey Through AI History : AI's roots go back to the 1950s, when computer scientists like **Alan Turing** posed the question: *"Can machines think?"* This question led to decades of research, setbacks, and breakthroughs. In the early days, computers were only capable of following pre-programmed rules. Today, thanks to machine learning and deep learning, modern AI systems can analyze huge amounts of data and improve over time without being explicitly programmed.

AI in Action: Real-World Applications :AI is quietly revolutionizing how we live and work. Here's how:

- **Healthcare**: AI helps doctors diagnose diseases like cancer with greater accuracy, and even predicts patient outcomes using medical data.
- **Finance**: Algorithms detect fraudulent transactions in real time and offer personalized banking experiences.
- **Education**: Intelligent tutoring systems adapt to individual learning styles and help students succeed.
- **Retail**: AI powers recommendation engines on platforms like Amazon and Netflix, tailoring suggestions based on your preferences.
- **Transportation**: Autonomous vehicles and AI-driven traffic systems promise safer, more efficient travel.

The Benefits Are Big : AI brings a range of benefits:

- **Speed & Efficiency**: Tasks that once took hours now take seconds.
- **Accuracy**: AI reduces human error in critical tasks like medical imaging or legal document review.
- **24/7 Availability**: Unlike humans, machines don't need breaks, making them ideal for customer service and monitoring.

But So Are the Challenges : With great power comes great responsibility. AI also raises serious questions:

- **Job Displacement**: As machines automate routine jobs, what happens to the human workforce?
- **Bias & Ethics**: AI can reflect the biases of the data it's trained on, leading to unfair outcomes in hiring, policing, or lending.
- **Privacy**: AI systems collect massive amounts of personal data—raising concerns about surveillance and data misuse.

The Future of AI : AI isn't just about making life easier—it's about reshaping what's possible. In the coming years, AI could help solve some of humanity's biggest challenges, from climate change to curing diseases. However, experts stress the importance of building **ethical, inclusive, and human-centered AI systems**.

Final Thoughts : Artificial Intelligence is not just a technological trend—it's a cultural shift. As AI becomes more integrated into our lives, we must ask not only what AI can do, but what it *should* do. The future of AI is unwritten, and it's up to us to shape it wisely.

Maloth Abhinav Singh

Class X

IMPORTANCE OF MATHEMATICS

The Importance of Mathematics in Our Lives

Mathematics is often regarded as the language of the universe, and its importance cannot be overstated. From the intricate patterns on a butterfly's wings to the vast expanse of the cosmos, mathematics governs the rhythms and harmonies of the natural world. In this article, we will explore the significance of mathematics in various aspects of our lives.

Problem-Solving and Critical Thinking

Mathematics teaches us how to approach problems in a logical and methodical manner. By breaking down complex problems into manageable parts, we can analyze and solve them using mathematical techniques. This skill is essential in various fields, such as science, engineering, economics, and finance.

Science and Technology

Mathematics is the foundation of scientific and technological advancements. It provides the tools and language to describe and analyze the natural world. From the laws of motion to the principles of quantum mechanics, mathematics plays a vital role in understanding the universe.

Economics and Finance

Mathematics is crucial in economics and finance, where it is used to model economic systems, analyze data, and make predictions. Mathematical techniques, such as calculus and statistics, help economists and financial analysts understand the behavior of markets and make informed decisions.

Everyday Life

Mathematics is not just limited to academic and professional pursuits; it is also an essential part of our daily lives. We use mathematical concepts, such as fractions, decimals, and percentages, to manage our finances, cook, and make informed decisions.

Building Cognitive Skills

Learning mathematics helps build cognitive skills, such as memory, attention, and processing speed. It also enhances our spatial reasoning, critical thinking, and problem-solving abilities.

Career Opportunities

Mathematics opens doors to various career opportunities, including:

- *Science and Engineering*: Mathematicians and statisticians are in high demand in fields like physics, engineering, and computer science.

- *Economics and Finance*: Mathematical models and techniques are essential in economics and finance, making mathematicians and statisticians sought-after professionals.

- *Data Science*: With the increasing amount of data being generated, mathematicians and statisticians are needed to analyze and interpret this data.

Conclusion

In conclusion, mathematics plays a vital role in various aspects of our lives, fromproblem-solving and critical thinking to science, technology, economics, and finance. Its importance cannot be overstated, and it is essential that we continue to promote mathematical education and awareness. By doing so, we can unlock the secrets of the universe, drive innovation, and build a better future for ourselves and generations to come.

Article prepared by
D RAM SATHWIK

Echoes of the Earth: India's Most Symbolic Archaeological and Historical Landmarks

1. "In order to know who you are, you must first know where you come from."
   - Anonymous

India is not a nation—it is a humongous open-air museum in which each brick, each ruin, and each sculpture tells tales of magnificence. Our homeland has been inhabited by dreamers, thinkers, builders, and warriors for more than 5,000 years. And all because of archaeology, we can still hear these tales today.

Archaeological and historical sites are not mere tourist attractions. They represent windows into the past, keys to understanding who we are today, and precious sources of inspiration for the future. From the cities of the Harappans to the fortresses of empires, from peaceful universities to blood-stained battlefields—India's heritage is as rich as it is diverse.

Let us travel through some of the most iconic sites that tell the tale of India's timeless glory.

Cradle of Civilization: The Indus Valley Sites

- *Harappa & Mohenjo-Daro (present-day Pakistan)*

One of the oldest urban civilizations on the globe, the Indus Valley Civilization existed from 2600–1900 BCE. Harappa and Mohenjo-Daro disclose sophisticated city planning—wide roads, drainage systems, granaries, and public baths. They also yielded seals with enigmatic scripts, pottery, and tools reflecting master craftsmanship. Though these places now exist beyond the border, they are a proud ancient page in India's history.

- *Rakhigarhi, Haryana*

This lesser-explored but sprawling Harappan settlement has provided astounding finds—from grave sites with skeletons to DNA samples that assist researchers in mapping our heritage. Rakhigarhi confirms that the Indus Valley was not one city—it was a system of civilizations thriving in balance with nature.

Lothal & Dholavira, Gujarat

Whereas Lothal possessed an ancient dockyard that reflected India's maritime heritage, Dholavira surprised archaeologists with its reservoirs and urban planning. Dholavira, presently a UNESCO World Heritage Site, possessed a city plan that featured reservoirs, citadels, and residential quarters—truly a testament to ancient Indian ingenuity.

Universities, Art, and Enlightenment

- *Nalanda University, Bihar*

A centre of learning around the world in the 5th to 12th centuries CE, Nalanda was filled with scholars and students from China, Korea, Persia, and others. With thousands of manuscripts and several temples and hostels, it was ancient India's Ivy League. When it was destroyed by invaders, the libraries burned for months, so vast was the amount of knowledge archived there.

- *Ajanta & Ellora Caves, Maharashtra*

Cut into stone, Ajanta is not just temples—it is a museum of art, a library, and a stage of worship. The murals in Ajanta show the Buddha's life, royal processions, animals, and simple life. Ellora, a mix of Hindu, Jain, and Buddhist temples, features the awe-inspiring Kailasa Temple, which was cut out from one rock.

- *Khajuraho Temples, Madhya Pradesh*

Constructed between 950 and 1050 CE by the Chandela dynasty, these temples are renowned for their intricate sculptures—some religious, some aesthetic, and some erotic. They symbolize a society that accepted all of life and its facets, be it love, piety, or beauty.

Southern Splendours: Empires in Stone

- *Hampi, Karnataka*

A UNESCO World Heritage Site and the once-glorious capital of the Vijayanagara Empire, Hampi's ruins stretch across hills and rivers. You'll find massive temples, market streets, stepwells, and royal enclosures. Even in ruins, Hampi feels alive with stories of poets, scholars, warriors, and traders.

- *Mahabalipuram, Tamil Nadu*

Renowned for its shore temple, rock-cut temples, and the "Descent of the Ganges" bas-relief, Mahabalipuram was a thriving port city under the Pallava monarchs. Its architecture is a harmonious mix of creativity, piety, and seashore engineering.

- *Meenakshi Temple, Madurai*

Even today, an active temple, this complex is at the height of Dravidian architecture. Its gopurams soar high with thousands of painted figures of colors, and its holy pond and mandapams are imbued with sacred energy even today.

The Central Canvas: Paintings of Prehistoric Life

- *Bhimbetka Rock Shelters, Madhya Pradesh*

These are the windows into prehistoric India, with more than 700 rock shelters featuring cave paintings of dancers, hunters, animals, and rituals. Some are more than 30,000 years old. To imagine humans once painting here long before any language was put into words is staggering.

Eastern Gems: Temples That Touch the Sky

- *Konark Sun Temple, Odisha*

Constructed in the 13th century in a gargantuan chariot shape, this temple is dedicated to the Sun God. Its 24 intricately carved stone wheels are not merely ornamental—but serve as sundials too! The temple's accurate alignment with the solar movements shows the astronomical know-how of the builders.

- *Jagannath Temple, Puri*

One of the four holy Char Dham pilgrimages, Jagannath Temple is famous for its imposing building, its Rath Yatra, and numerous secrets—such as the flag that never bends in the wind. It Is a testament to faith and engineering expertise.

Himalayan Heritage: Forts in the Clouds

- *Leh Palace, Ladakh*

Dominating the cold desert town of Leh, this 17th-century royal palace was modeled on Tibet's Potala Palace. Constructed out of stones, wood, and mud, it still stands even today, defying the rugged climate and recounting tales of Ladakhi royalty and culture.

Places of Struggle and Sacrifice

- *Cellular Jail, Andaman & Nicobar Islands*

Also called “Kala Pani,” this prison was where the British exiled Indian freedom fighters. It is a national memorial today, with a light and sound show reminding visitors of the sacrifices for India’s freedom.

- *Jallianwala Bagh, Punjab*

In 1919, nonviolent demonstrators were murdered brutally here on orders of the British. The bullet marks in walls remain—a grim reminder of the struggle for freedom and the cost of justice.

Why These Sites Matter

These places are not about ancient rocks or lost kings—about dead history—they are living stories. They recall us to:

Our spirit : scientific (Dholavira’s irrigation systems)

Our hunger for knowledge (Nalanda)

Our passion for beauty and art (Ajanta, Hampi, Konark)

Our bravery and toughness (Cellular Jail, Jallianwala Bagh)

They motivate us to guard our heritage, to learn from what is past, and to create a future no less spectacular.

Conclusion: The Past is Our Runway

In an era where we dream of Mars and artificial intelligence, let us also look down at our feet—to the foundations of civilization that were laid way back. As the students of today and citizens of the future, we are the new custodians of this inheritance.

So the next time you pass through a fort, temple, or cave, do not merely take pictures—take pride. Because each brick you notice is a dream once constructed. And together, these dreams constitute the takeoff for Sapno Ki Udaan—our flight towards the future, fueled by the past.

Name: Konduri Tejas

Class: X

Traditional Costumes and History of Clothing in India

India's cultural identity is deeply rooted in its traditions, and among these, traditional clothing holds a place of pride. Throughout history, the subcontinent has seen a remarkable evolution of attire that reflects not only the geographical diversity but also the historical, religious, and social influences that have shaped the country.

In ancient India, garments were often unstitched. The dhoti for men and saree for women are among the earliest forms of Indian clothing, and these are still worn today, albeit in evolved styles. Cotton, which was first cultivated in the Indus Valley Civilization, became a staple fabric due to its comfort and suitability for the Indian climate. Historical texts and sculptures from the Mauryan and Gupta periods depict people wearing draped garments, jewelry, and turbans.

With the arrival of the Mughals, a fusion of Persian and Indian styles began to appear. Clothing became more elaborate and embroidered, introducing garments like the sherwani, achkan, and churidar for men, and anarkali and lehenga for women. This period emphasized rich fabrics like silk and brocade, detailed needlework, and vibrant colors.

In the southern parts of India, traditional outfits such as the veshti, lungi, and pavada are still prevalent. Each state, in fact, possesses its own distinctive style: the phiran of Kashmir, the mekhela chador of Assam, the bandhani and ghagra choli of Rajasthan and Gujarat, and the mundu of Kerala all reflect regional identities.

Colonial influence during British rule introduced Western clothing styles, and these gradually became part of urban wardrobes. However, traditional clothing has never faded; rather, it has become symbolic—worn proudly during festivals, weddings, and cultural events. Post-independence, a revival of handloom and khadi further reinforced traditional crafts and regional textiles.

In essence, Indian traditional clothing is not merely about fabric and fashion; it is a living testimony of the country's heritage. It narrates stories of its people, their customs, their climates, and their past. Even today, in the face of modernization and global fashion trends, traditional attire continues to stand tall—graceful, meaningful, and deeply Indian.

Tousif Farhan

Cass X

Woven with Pride: The Story of Indian Traditional Clothing

Have you ever opened your family's old photo album and stared at your grandparents' wedding pictures? The bright sarees, the regal sherwanis, the glittering jewelry—it's almost like stepping into a different world. But the truth is, it's our world. A world that lives in colors, textures, and traditions stitched into every outfit we wear.

India isn't just a country; it's a walking, talking fashion museum. And the clothes we wear—whether it's a saree or a kurta, a dhoti or a lehenga—carry not just fabric, but centuries of history, culture, and identity.

A Peek into the Past

Let's go way, way back—to the days of the Indus Valley Civilization, over 5000 years ago. Imagine people sitting by the riverside, spinning cotton threads with their hands. There were no buttons or zips, but people still draped themselves beautifully. Men wore dhoti-like cloth, women wrapped themselves in elegant drapes. Even then, jewelry wasn't just decoration—it showed status and style.

Then came the Vedic era. Clothes had names like antariya (lower cloth) and uttariya (upper cloth). They were simple, yet graceful. But over time, as kingdoms rose and fell, clothing evolved. The Mauryas and Guptas gave us more structure. And then came the Mughals—and oh boy, they brought glam! Long flowing robes, velvet, silk, gold embroidery... Fashion became royal.

My Grandma's Saree and My Cousin's Kurta

My grandma still has her first silk saree from her wedding—a red Kanjeevaram with gold zari. Every time she touches it, she tells stories. "This saree," she says, "isn't just cloth. It's blessings, it's love, it's memories." And I believe her.

Today, even my younger cousin who loves jeans and hoodies lights up during festivals. "Where's my kurta?" he asks before Diwali. And when he wears it, his posture changes—he stands taller, proud.

That's the magic of Indian clothing. It doesn't matter how old you are—it makes you feel connected.

A Country That Dresses in Rainbows

Travel across India and you'll see the most beautiful fashion show on Earth:

In Punjab, women twirl in colorful salwar kameez with sparkling phulkari work. Men wear turbans with pride—it's not just a cloth, it's their identity.

In Rajasthan, it's all about mirror work, tie-dye (bandhani), and bold colors. The desert may be dry, but the clothes are bursting with life.

Maharashtra's nine-yard nauvari sarees let women move freely—whether they're dancing, working, or even riding bikes.

In Tamil Nadu, silk sarees are like family treasures—passed down like gold. The Kanjeevaram saree isn't just beautiful; it's sacred.

In West Bengal, white and red sarees come out during Durga Puja, full of grace and goddess energy.

And the North-East? Ah, it's a world of its own—beaded shawls, handwoven skirts, feathers, and colors inspired by forests and mountains.

Each outfit says: "This is who we are. This is where we come from."

More Than Just Fabric

In India, clothes speak. Red means marriage and good luck. White means peace and mourning. Yellow during spring, green for harvest, saffron for saints. And don't forget festivals! We dress up not just to look good, but to celebrate life.

Weddings? They're a fashion festival by themselves. Brides in lehengas, grooms in sherwanis, families in silk and sparkle. Even kids get decked out like little royals. Every stitch has emotion.

And religion too plays a role. Sikhs wear turbans as a sign of honor. Many Muslim women wear hijabs with pride. Hindu priests wear saffron dhotis. Christians wear white for purity during weddings.

Clothing in India is not just personal—it's spiritual.

Weavers: The Artists Behind the Scenes

Here's something we often forget—the hands that make these clothes. In tiny villages, weavers sit at wooden looms, creating patterns so perfect they look machine-made. But they're not. They're made with love, skill, and patience.

We owe our Banarasi silks, Pochampally ikats, Chikankari embroidery, and Patola weaves to these silent artists. Their craft isn't just a job—it's a way of life. Many of these skills are passed from mother to daughter, father to son, generation after generation.

Supporting their work means keeping our heritage alive.

Modern Twist, Traditional Soul

Yes, today's youth love their jeans and sneakers. And that's okay! But traditional wear hasn't disappeared. In fact, it's evolving. Girls pair long kurtis with denim, boys wear Nehru jackets over T-shirts. Fashion designers are mixing old weaves with new cuts. Even celebrities are flaunting Indo-western looks on red carpets and movie sets.

And on special days—festivals, weddings, school functions—we still return to our roots. Because deep down, we know: these clothes make us feel proud, graceful, and deeply Indian.

Wrapping It Up

Indian traditional clothing isn't just about looking beautiful—it's about feeling something deeper. A connection to our past, our people, and our stories. Each thread is woven with pride, each design carries legacy.

So next time you wear a saree, a kurta, or even a simple dupatta—pause and smile. You're not just wearing a costume. You're wearing a piece of India's soul.

Muskaan Minhaz

Class IX

उत्तर प्रदेश का व्यंजन सत्तू

उत्तर प्रदेश के व्यंजन सत्तू का स्वास्थ्य से गहरा संबंध है। सत्तू, भुने हुए चने या अन्य अनाजों को पीसकर बनाया जाता है, और यह उत्तर प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में एक लोकप्रिय और पौष्टिक भोजन है।

सत्तू के स्वास्थ्य लाभ:

* ऊर्जा का स्रोत: सत्तू कार्बोहाइड्रेट से भरपूर होता है, जो शरीर को तुरंत ऊर्जा प्रदान करता है। इसे "ऊर्जा का पावरहाउस" भी कहा जाता है।

* उच्च प्रोटीन: सत्तू में लगभग 20% प्रोटीन होता है, जो मांसपेशियों के निर्माण और मरम्मत के लिए आवश्यक है। यह शाकाहारियों और vegans के लिए एक उत्कृष्ट प्रोटीन स्रोत है।

* पाचन क्रिया में सहायक: इसमें प्रचुर मात्रा में फाइबर होता है, जो पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है, कब्ज से राहत दिलाता है और पेट को साफ रखता है।

* ब्लड शुगर नियंत्रण: सत्तू का ग्लाइसेमिक इंडेक्स (GI) कम होता है (28 से 35 के बीच), जिसके कारण यह रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है और मधुमेह रोगियों के लिए अच्छा माना जाता है।

* वजन प्रबंधन: फाइबर और प्रोटीन की उच्च मात्रा के कारण, सत्तू पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराता है, जिससे अधिक खाने की इच्छा कम होती है और वजन प्रबंधन में सहायता मिलती है।

* कोलेस्ट्रॉल कम करने में सहायक: चने का सत्तू खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद कर सकता है।

* शरीर को ठंडक प्रदान करना: गर्मियों में सत्तू का सेवन शरीर को ठंडक प्रदान करता है और लू से बचाने में मदद करता है।

* विटामिन और खनिजों से भरपूर: सत्तू में आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस और बी विटामिन जैसे आवश्यक पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो समग्र स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं।

उत्तर प्रदेश में सत्तू का उपयोग:

उत्तर प्रदेश में सत्तू का उपयोग विभिन्न तरीकों से किया जाता है:

* सत्तू का शरबत: यह सबसे लोकप्रिय तरीका है, जिसमें सत्तू को पानी, नमक, नींबू का रस और कभी-कभी प्याज, हरी मिर्च और धनिया पत्ती के साथ मिलाकर एक ठंडा और ताज़ा पेय बनाया जाता है।

* सत्तू का पराठा: सत्तू को मसालों के साथ मिलाकर आटे में भरकर पराठे बनाए जाते हैं, जो नाश्ते या भोजन के लिए एक पौष्टिक विकल्प है।

* सत्तू का लड्डू: सत्तू को गुड़ और घी के साथ मिलाकर स्वादिष्ट लड्डू बनाए जाते हैं।

* सत्तू की लिट्टी: यह बिहार का लोकप्रिय व्यंजन है, लेकिन उत्तर प्रदेश के कुछ पूर्वी हिस्सों में भी इसे बनाया जाता है। लिट्टी में सत्तू की भरावन होती है।

* सत्तू का चीला: सत्तू को बेसन और मसालों के साथ मिलाकर चीले (पैनकेक) बनाए जाते हैं।

* सत्तू की चटनी: सत्तू को पुदीना, नींबू का रस और मसालों के साथ पीसकर चटनी बनाई जाती है।

संक्षेप में, उत्तर प्रदेश का व्यंजन सत्तू न केवल स्वादिष्ट है बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद है। यह ऊर्जा, प्रोटीन और फाइबर का एक उत्कृष्ट स्रोत है और गर्मियों के लिए एक बेहतरीन शीतल पेय है।

गिरिधर गोपाल शुक्ल

संगीत शिक्षक

धन्यवाद